मेवाड़ विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाई गई बसंत पंचमी

सच मीडिया

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय में बुधवार को बसंत पंचमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम समन्वयक सुरभि शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का आरम्भ मां सरस्वती की वंदना पर नृत्य प्रस्तुत कर किया गया। जिसमें सिमरन मनहास और शिखा कंवर की प्रस्तुति रही। कार्यक्रम में संगीत विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर (डॉ.) त्रिगुणातीत जैमिनी, रौशनी कसौधन, हरिओम गंधर्व ने मां सरस्वती को समर्पित गीतों प्रस्तुत किया। फाइन आर्ट के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी ने खिलते हैं गुल यहां गीत प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने बसंत पंचमी के इस पावन पर्व पर सबको शुभकामना देते हुए कहा कि विद्या की देवी मां

सरस्वती की आराधना करने से मनुष्य ज्ञानी व संस्कारी बनता है और मां सरस्वती ज्ञान, बुद्धि व साक्षरता की देवी है। प्रतिकुलपति डॉ. सर्वोत्तम दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि माँ सरस्वती की आराधना करने से इंसान की स्मरण शक्ति व ज्ञान में वृद्धि होती है। प्रोफेसर (डॉ.) चित्रलेखा सिंह ने बसंत पंचमी पर्व का महत्व बताया और कहा कि मां सरस्वती की आराधना के साथ यह पर्व पर्यावरण व प्रकृति को संतुलन रखने का संदेश देता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओम प्रकाश शर्मा ने किया। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पित कर आरंभ किया गया। इस अवसर पर समाज सेविका कमला गदिया, कुलसचिव डॉ. आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, ओएसडी एच विधानी, प्रो. वाई. सुदर्शन, डॉ आर. एस. राणा, डॉ. डी. के. वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. राजर्षि कसौधन, ओम प्रकाश सालवी, लीला पुरोहित, वृषभानु नंदिनी झा, बप्पा विश्वास, बिवास बनर्जी सहित अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाई गई बसंत पंचमी

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय में बुधवार को बसंत पंचमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम समन्वयक सुरभि शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का आरम्भ मां सरस्वती की वंदना पर नृत्य प्रस्तुत कर किया गया। जिसमें सिमरन मनहास और शिखा कंवर की प्रस्तुति रही। कार्यक्रम में संगीत विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर (डॉ.) त्रिगुणातीत जैमिनी, रौशनी कसौधन, हरिओम गंधर्व ने मां सरस्वती को समर्पित गीतों प्रस्तुत किया। फाइन आर्ट के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी ने %खिलते हैं गुल यहां% गीत प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने बसंत पंचमी के इस पावन पर्व पर सबको शुभकामना देते हुए कहा कि विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना करने से मनुष्य ज्ञानी व संस्कारी बनता है और मां सरस्वती ज्ञान, बुद्धि व साक्षरता की देवी है। प्रतिकुलपति डॉ. सर्वोत्तम दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि माँ सरस्वती की आराधना करने से इंसान की स्मरण शक्ति व ज्ञान में वृद्धि होती है। प्रोफेसर (डॉ.) चित्रलेखा सिंह ने बसंत पंचमी पर्व का महत्व बताया और कहा कि मां सरस्वती की आराधना के साथ यह पर्व पर्यावरण व प्रकृति को संतुलन रखने का संदेश देता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओम प्रकाश शर्मा ने किया। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पित कर आरंभ किया गया। इस अवसर पर समाज सेविका कमला गदिया, कुलसचिव डॉ. आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, ओएसडी एच विधानी, प्रो. वाई. सुदर्शन, डॉ आर. एस. राणा, डॉ. डी. के. वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. राजर्षि कसौधन, ओम प्रकाश सालवी, लीला पुरोहित, वृषभानु नंदिनी झा, बप्पा विश्वास, बिवास बनर्जी सहित अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाई बसंत पंचमी

▪दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

मेवाड़ विश्वविद्यालय में बुधवार को बसंत पंचमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समन्वयक सुरभि शर्मा ने बताया कि कार्यकम का आरम्भ मां सरस्वती की वंदना पर नृत्य प्रस्तुत कर किया गया। जिसमें सिमरन मनहास और शिखा कंवर की प्रस्तुति रही। कार्यक्रम में संगीत विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर (डॉ.) त्रिगुणातीत जैमिनी, रौशनी कसौधन, हरिओम गंधर्व ने मां सरस्वती को समर्पित गीतों प्रस्तुत किया। फाइन आर्ट के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी ने खिलते हैं गुल यहां गीत प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने बसंत पंचमी के इस पावन पर्व पर सबको शुभकामना देते हुए कहा कि विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना करने से मनुष्य ज्ञानी व संस्कारी बनता है और मां सरस्वती ज्ञान, बुद्धि व साक्षरता की देवी है। प्रतिकुलपति डॉ. सर्वोत्तम दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि माँ सरस्वती की आराधना करने से इंसान की स्मरण शक्ति व ज्ञान में वृद्धि होती है। प्रोफेसर (डॉ.) चित्रलेखा सिंह ने बसंत पंचमी पर्व का महत्व बताया और कहा कि मां सरस्वती की आराधना के साथ यह पर्व पर्यावरण व प्रकृति को संतुलन रखने का संदेश देता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओम प्रकाश शर्मा ने किया। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पित कर आरंभ किया गया। इस अवसर पर समाज सेविका कमला गदिया, कुलसचिव डॉ. आर. राजा, उपकुलसचिव

दीप्ति शास्त्री, ओएसडी एच विधानी, प्रो. वाई. सुदर्शन, डॉ आर. एस. राणा, डॉ. डी. के. वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. राजर्षि कसौधन, ओम प्रकाश सालवी, लीला पुरोहित, वृषभानु नंदिनी झा, बप्पा विश्वास, बिवास बनर्जी सहित अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाई गई बसंत पंचमी

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय में बुधवार को बसंत पंचमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम समन्वयक सुरभि शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का आरम्भ मां सरस्वती की वंदना पर नृत्य प्रस्तुत कर किया गया। जिसमें सिमरन मनहास और शिखा कंवर की प्रस्तुति रही। कार्यक्रम में संगीत विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर (डॉ.) त्रिगुणातीत जैमिनी, रौशनी कसौधन, हरिओम गंधर्व ने मां सरस्वती को समर्पित गीतों प्रस्तुत किया। फाइन आर्ट के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी ने %खिलते हैं गुल यहां% गीत प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने बसंत पंचमी के इस पावन पर्व पर सबको शुभकामना

देते हुए कहा कि विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना करने से मनुष्य ज्ञानी व संस्कारी बनता है और मां सरस्वती ज्ञान, बुद्धि व साक्षरता की देवी है। प्रतिकुलपति डॉ. सर्वोत्तम दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि माँ सरस्वती की आराधना करने से इंसान की स्मरण शक्ति व ज्ञान में वृद्धि होती है। प्रोफेसर (डॉ.) चित्रलेखा सिंह ने बसंत पंचमी पर्व का महत्व बताया और कहा कि मां सरस्वती की आराधना के साथ यह पर्व पर्यावरण व प्रकृति को संतुलन रखने का संदेश देता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओम प्रकाश शर्मा ने किया। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पित कर आरंभ किया गया। इस अवसर पर समाज सेविका कमला गदिया, कुलसचिव डॉ. आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, ओएसडी एच विधानी, प्रो. वाई. सुदर्शन, डॉ आर. एस. राणा, डॉ. डी. के. वर्मा, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. राजर्षि कसौधन, ओम प्रकाश सालवी, लीला पुरोहित, वृषभानु नंदिनी झा, बप्पा विश्वास, बिवास बनर्जी सहित अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी मौजूद रहे।